

दोहत्या पुं. (तत्.) दे. दुहत्या।

दोहद पुं. (तत्.) 1. गर्भवती स्त्री की किसी वस्तु के प्रति प्रबल इच्छा 2. गर्भावस्था।

दोहदवती वि./स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी गर्भवती महिला जिसे कुछ खाने, देखने, करने की प्रबल इच्छा हो रही हो 2. गर्भवती महिला।

दोहन पुं. (तत्.) 1. दुहना जैसे- दूध दुहना 2. धरती के गर्भ से खनिज आदि निकालना 3. उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए अधिकाधिक लाभ उठाना 4. अपने स्वार्थ के लिए प्राकृतिक संसाधनों का या दूसरों की क्षमता का शोषण करना।

दोहना स.क्रि.(तद्.) 1. दोहन करना दे. दोहन 2. दोष लगाना 3. तुच्छ समझना।

दोहनी स्त्री. (तद्.) 1. दूध दुहने का पात्र 2. दूध दुहने की क्रिया या भाव।

दोहरना अ.क्रि. (देश.) दुहरा होना, दो परतों में होना, दोबारा होना।

दोहरा कराधान पुं. (देश.+तत्.) प्रशा. दो बार या दो स्थानों पर अलग-अलग कर वसूल करना।

दोहरा मानक पुं. (देश.+तत्.) 1. ऐसे नियम-कायदे जो एक व्यक्ति या समूह की अपेक्षा दूसरे व्यक्ति या समूह को बेहतर अवसर या आजादी या छूट प्रदान करते हैं 2. आचार या नैतिकता के वे नियम-कायदे जो एक वर्ग की अपेक्षा दूसरे वर्ग पर सख्ती से लागू किए जाते हैं।

दोहरा वि. (देश.) 1. दो परतों वाला 2. दोगुना जैसे- इसमें दोहरा किराया लगेगा।

दोहराना स.क्रि. (देश.) 1. पुनः वही क्रिया करना 2. लिखे हुए या याद किए हुए पाठ को पुनः पढ़ना या बोलकर देखना 3. दुगुना करना।

दोहरा शासन पुं. (देश.+तत्.) प्रशा. दो स्तरों पर चलने वाला शासन जैसे- अंग्रेजों के शासन के समय स्थानीय रियासतों को स्थानीय स्तर पर शासन का अधिकार होता था, परंतु शासन की सर्वोच्च सत्ता अंग्रेजों की ही थी।

दोहरी खतान पद्धति स्त्री. (देश.+तत्.) बाणि. बहीखाता लिखने की विशिष्ट पद्धति जिसमें हर लेन-देन की प्रविष्टि जमा और नामे में अलग अलग अर्थात् दो बार की जाती है, फलतः मिलान स्वतः हो जाता है।

दोहरी तुक स्त्री. (देश.+फा.) छंद. दोहरा अंत्यानुप्रास, अंत्यानुप्रास में दो उच्चारणों का एकसमान होना।

दोहरी प्रविष्टि पद्धति पुं. (देश.+तत्.) दे. दोहरी खतान पद्धति।

दोहरी फसल स्त्री. (देश.+फा.) एक खेत में एक ही अवधि में उगाई गई दो या अधिक फसलें 2. एक ही अवधि/मौसम या समय में दो या अधिक बार प्राप्त पैदावार या उपज।

दोहदलक्षण पुं. (तत्.) गर्भावस्था के लक्षण, भ्रूण।

दोहा पुं. (तद्.) छंद हिंदी का अर्धसममन्त्रिक तुकांत छंद जिसमें दो पंक्तियाँ होती हैं तथा चार चरणों में 13, 11, 13, 11 मात्राएँ होती हैं।

दोह्य वि. (तत्.) दुहने योग्य (पशु), दुहे जाने योग्य, जिसे दुहा जाए पुं. दूध।

दोह्या वि. (तत्.) दोह्य का स्त्रीलिंग रूप, दुही जा सकने वाली स्त्री. दुधारु गाय।

दौ स्त्री. (तद्.) दाव, दावानल, जंगल में लगने वाली आग।

दौड़ स्त्री. (तद्.) 1. दौड़ने की क्रिया या भाव 2. दौड़ते हुए तेजी से सबसे आगे निकलने की होड़ 3. सीमा जैसे- शराबी की दौड़ मयखाने तक 4. गति मुहा. दौड़ लगाना-तेजी से भागना।

दौड़धूप स्त्री. (तद्.) तेजी से बारबार इधर-उधर दौड़ना-भागना, दौड़-भाग करते हुए की गई मेहनत, पूरी शक्ति लगाकर प्रयत्न करना।

दौड़ना अ.क्रि. (तद्.) 1. चलने की बजाए काफी तेजी से आगे की ओर गति करना जिसमें दोनों पैर एक साथ जमीन पर नहीं पड़ते 2. किसी दिशा में तेजी से बढ़ना 3. ला.अर्थ तेजी से उभर जाना या छा जाना जैसे- उसके चेहरे पर भय की रेखाएँ दौड़ गई।